

**खेतरपाल ऐतिका.** क्षेत्रपाल, [क्षेत्ररक्षक देव]

**खेतल उषाह.** प्राचीसं. क्षेत्रपाल, [खेतरनो रक्षक देव]

**खेतलवीर विमप्र.** क्षेत्रपाळ, [एक प्रकारना नीचली कोटिना देव]

**खेत्र आरारा.** गुर्जरा. लावल. क्षेत्र, स्थान, प्रदेश; जुओ क्षेत्र

**खेत्रपाल पंचवा.** क्षेत्रदेवता, खेतरनो रक्षक देव [सं.क्षेत्रपाल]

**खेव हरिख्या.** \*क्रोध, [रंज, अप्रसन्नता]; जुओ क्षेद

**खेवुं \*अखाका. नंदब. प्रेमाका. मदमो. वेताप. सिंहा(शा). छेदुं, [कापी नाखवुं]; कृष्णच. थकवुं, [पीडवुं]**

**खेप आरारा.** नाखवुं ते (सं.क्षेप)

**खेप अखेगी.** \*सफर, \*मुसाफरी, [\*खांत, \*उद्यम]

**खेपइं शृंगामं. षष्टिप्र. फेंके, नाखे (सं.क्षेप)**

**खेपन अखाछ. गाळवुं ते, [व्यय करवो ते] (सं.क्षेपन)**

**खेपावुं ऐतिरा.** नखावुं [सं.क्षिप]

**खेम आरारा. कादं(शा). गुर्जरा. प्रेमप. कुशळपणुं, सुख (सं.क्षेम)**

**खेमा कामा(त्रि).** क्षमा

**खेय रुतस. धूळ (दि.खेह)**

**खेरी अखेगी. घेटो**

**खेल \*नलरा. विक्रच. लीला, रंगराग, [क्रीडा, आनंदप्रमोद] [सं.]**

**खेलउ प्राचीसं. रमनारा, [नर्तक]**

**खेलणउ उक्तिर.** खेलुं ते, क्रीडा, रमकडुं (सं.खेलनकम्) [हिं.खिलौना]

**खेलणा ०जिनरा.** क्रीडा

**खेलन वसंफा. वसंवि. वसंवि(ब्रा).** क्रीडा माटे (सं.)

**खेला \*अंबरा. तेरका. \*प्राचीफा. रमनारा, खेलाडी, [नट, नर्तक] (सं.खेलका:)**

**खेलाखेली \*प्राचीसं. [रमनारा-रमनारी]**

**खेली \*अंबरा. [नर्तकी, नटी]**

**खेलो मदमो. [\*खेळ, \*आर, \*कांजी]**

**खेलो नरका.** संघरो, संग्रह

**खेव \*प्रबोप्र. [फेंकवुं ते, दूर करवुं ते, नाश] [सं.क्षेप]**

**खेव आरारा. ऋषिरा. कृष्णच. वार, विलंब (सं.क्षेप)**

**खेव उषाह. ऋषिरा. कांद(ध्रु). कादं(शा). चित्तसं. नलाख्या. प्रेमाका. हरिख्या. जलदी, तरत ज (सं.क्षिप्र); \*कामा(शा). [तरत तो, हमणां]**

**खेव सिंहा(शा). जलदी (के खेवनाथी ? काळजीथी ?)**

**खेवइ आरारा. नाखे, प्रसारे (सं.क्षेप); ऋषिरा. नाखे, फेंके**

**खेवउ प्राचीसं. [अगरनो] उछाळ (सं.क्षेप)**

**खेवि (इणि खेवि) कृष्णच. आ क्षणे, अत्यारे**

**खेस ऋषिरा. नलरा. \*विमप्र. खार, द्वेष; \*ऐतिरा. प्राचीफा. क्षति, ऊणप (\*दे.खस =खसवुं उपरथी) [रा.खेसौ]**

**खेह प्राचीफा. ?, [\*पक्षी] [रा.खे]**

**खेह, खेहा अंगवि. आरारा. गुर्जरा.**